11:33

VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1830)

Name of Candidate	Bharti Meena		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	
Center	Online	Date	31/08/22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
4(c)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1830

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. (a) According to you, what are the main reasons behind prejudice against certain sections of a society? Discuss with examples. **(150 words) 10**

आपके अनुसार समाज के कुछ वर्गों के प्रति पूर्वाग्रह के पीछे मुख्य कारण क्या हैं? उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

पूर्वाग्रह ऐसे विचारधाराएं होती है जो इंसान के अवचेतन पर बिना तार्किक सोच-विचार के हावी होते हैं।

समाज के कुछ वर्गों के प्रति पूर्वाग्रह के निम्न कारण हो सकते हैं—

i) किसी व्यक्ति का 'सामाजीकरण' की प्रक्रिया ही ऐसे पूर्वाग्रही माहौल में हुई हो जैसे – किसी बच्चे को परिवार से मूल्यों की प्राप्ति होती और यदि परिवार जातिव्यवस्था को मानता है तो वह भी मानेगा

ii) समाज के नैतिक मूल्य प्रभुत्व वर्ग द्वारा ही बनाए जाते हैं तथा उनके हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं जैसे – पुरुषों द्वारा सम्पत्ति का अधिकार
a) – वेदाध्ययन धारण करने का अधिकार
– पितृस्थानीयता

b) महिलाओं को कमतर समझना

Don't write anything in this margin

→ उन्हें अपने निर्णय लेने का अधिकार नहीं
→ पहनावे पर रोक-टोक, सम्पत्ति का अधिकार नहीं

c) वंचित वर्ग जैसे - दलित, अश्वेत, अल्पसंख्यक, दिव्यांग, महिलाओं के प्रति मूल्य पूर्वाग्रह रखते है - जैसे तुलसीदास की निम्न पंक्ति से स्पष्ट होता है —

"ढोल, गंवार, पशु ; शूद्र नारी
सकल ताड़ना के अधिकारी।"

iii) किसी व्यक्ति का स्कूल किसी विशेष विचार धारा वाला हो। उदाहरण के लिए, मदरसे में पढ़ा व्यक्ति व शिशु बाल विद्या मंदिर में पढ़े व्यक्ति के विचारों में कट्टरता देखी जा सकती है।

iv) किसी व्यक्ति का पीअर ग्रुप ऐसा हो जो वंचित वर्गों के प्रति पूर्वाग्रह रखता हो तो उस व्यक्ति पर भी प्रभाव पड़ेगा। उदाहरण के लिए समूह में से किसी ने दिव्यांग के ऊपर टिप्पणी की तो वह व्यक्ति भी ऐसा करने लगेगा।

स्पष्ट है कि समाज में कुछ वर्गों के प्रति पूर्वाग्रह विभिन्न कारकों के सम्मिलित प्रभाव से उत्पन्न होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें।)

1. (b) Discuss how persuasion acts as a functional pillar in attitudinal change and attitude formation with requisite examples. (150 words) 10

उचित उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए कि अनुनय (या समझाना-बुझाना) किस प्रकार अभिवृत्ति में बदलाव और अभिवृत्ति के निर्माण में एक व्यावहारिक स्तंभ के रूप में कार्य करता है।

अनुनय एक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से किसी व्यक्ति की अभिवृत्ति में परिवर्तन किया जाता है।

इसके लिए चार बातों को ध्यान में रखना आवश्यक है—

i) कौन अनुनय करता है → अ

↳ अनुनयकर्ता → विश्वसनीय होना चाहिए
↳ प्रभावशाली होना चाहिए
↳ आकर्षक होना चाहिए
↳ तीव्र गति का वक्ता होना चाहिए
↳ जिस समूह को संबोधित करेगा, उससे समानता रखता हो

उदाहरण के लिए → यदि महाप कुमार, महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करें तो लोग उनकी बात सुनेंगे।

ii) क्या (what) ⇒

• इसमें व्यक्ति से भावनात्मक संबंध होने चाहिए
• पहले व्यक्ति को डर दिखाना चाहिए फिर समाधान देना चाहिए।

Don't write anything in this margin

उदाहरण के लिए, LIC का विज्ञापन
"ज़िंदगी के साथ भी, ज़िंदगी के बाद भी"

- अनुनयकर्ता को दोनों पक्षों अर्थात सकारात्मक व नकारात्मक पक्षों की बात करनी चाहिए।

(iii) किसको नहीं करना चाहिए → अर्थात इन व्यक्तियों पर लागू नहीं होगा —

i) वृद्ध व्यक्तियों पर
(ii) आक्रामक व्यक्तियों पर
(iii) जिनका सेल्फ-एस्टीम ऊँचा हो

iv) किस माध्यम से अनुनय किया जाना चाहिए →

- प्रत्यक्ष अनुनय किया जाना चाहिए क्योंकि यह समूह अनुनय से प्रभावशाली होता है। एक सर्वे में पाया गया कि जिन उम्मीदवारों ने जनता से प्रत्यक्ष संवाद किया, उनको जीतने की संभावना में वृद्धि हुई।

- व्यक्तिगत संपर्क बनाकर अनुनय किया जाना चाहिए।

उपर्युक्त से स्पष्ट है कि अनुनयन के द्वारा किसी व्यक्ति की अभिवृत्ति को बदला जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) A legally enforceable code of ethics for civil servants, which not only prescribes the ethical values they must display in their public life but also provides sanctions for violations of these values, is the need of the hour. Discuss. (150 words) 10

लोक सेवकों के लिए कानूनी रूप से लागू करने योग्य एक नीतिपरक आचार संहिता, जो न केवल उनके सार्वजनिक जीवन में प्रदर्शित होने वाले नैतिक मूल्यों को निर्धारित करती हो, बल्कि उन मूल्यों के उल्लंघन के लिए दण्ड भी निर्धारित करती हो, वर्तमान समय की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

नैतिक आचार संहिता से तात्पर्य है ~~कि~~ उन मूल्यों के समरूप से है जो सार्वजनिक जीवन में आवश्यक होते हैं।

कानूनी रूप से विधिक आचार संहिता की आवश्यकता क्यों :-

i) सार्वजनिक क्षेत्र में आचार संहिता लागू करने की कोई बाध्यता नहीं है। अतः संस्थान लागू नहीं करते।

(ii) आचार संहिता के न लागू करने से कोई हानि नहीं तो लागू करने की प्रेरणा नहीं मिलती।

(iii) कानूनी रूप से लागू आचार संहिता लागू करना अनिवार्य होगा

iv) यदि दो मूल्यों के बीच असंगति होतो किसे वरीयता दी जाए → इसका उल्लेख होगा

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

v) विवेकाधीन शक्ति को विनियमित करने में महत्वपूर्ण

vi) शासन में पारदर्शिता, जवाबदेहिता बढ़ाने के लिए आवश्यक है।

vii) नीत्शे ने कहा — "डर नैतिकता की जननी है" और यह डर कानूनी रूप से लागू करके ही उत्पन्न किया जा सकता है।

viii) समाज के समावेशी व तीव्र विकास के लिए आवश्यक है।

कैसी होनी चाहिए →

- कानूनी रूप से लागू
- उल्लंघन पर दण्ड
- आवधिक समीक्षा हो

परन्तु, इसमें कभी लूपहोल हो सकते हैं जैसे - "यह भ्रष्ट दिमाग से तो जीत सकती है लेकिन दिल से नहीं।" इसी पर राजेंद्र प्रसाद ने कहा है—

" हमारे देश का भविष्य इस पर निर्भर नहीं होगा कि कौनसे कानून से शासित हो रहा है, बल्कि उन व्यक्तियों पर निर्भर होगा जो नैतिक मूल्यों से शासित होते हैं और वे आंतरिक प्रेरणा से आएंगे।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

2. (b) Although open and transparent governance has gained ground, do you agree with the view that there is merit in withholding some information from people? Justify your arguments with examples. **(150 words) 10**

हालांकि, खुले और पारदर्शी शासन ने लोकप्रियता हासिल कर ली है, फिर भी क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि लोगों से कुछ जानकारी छिपाने में ही भलाई है? उदाहरणों के साथ अपने तर्कों की पुष्टि कीजिए।

खुला व पारदर्शी शासन सुशासन के लिए आवश्यक शर्तें हैं जिससे शासन में गोपनीयता की जगह, पारदर्शिता की संस्कृति का विकास होता है।

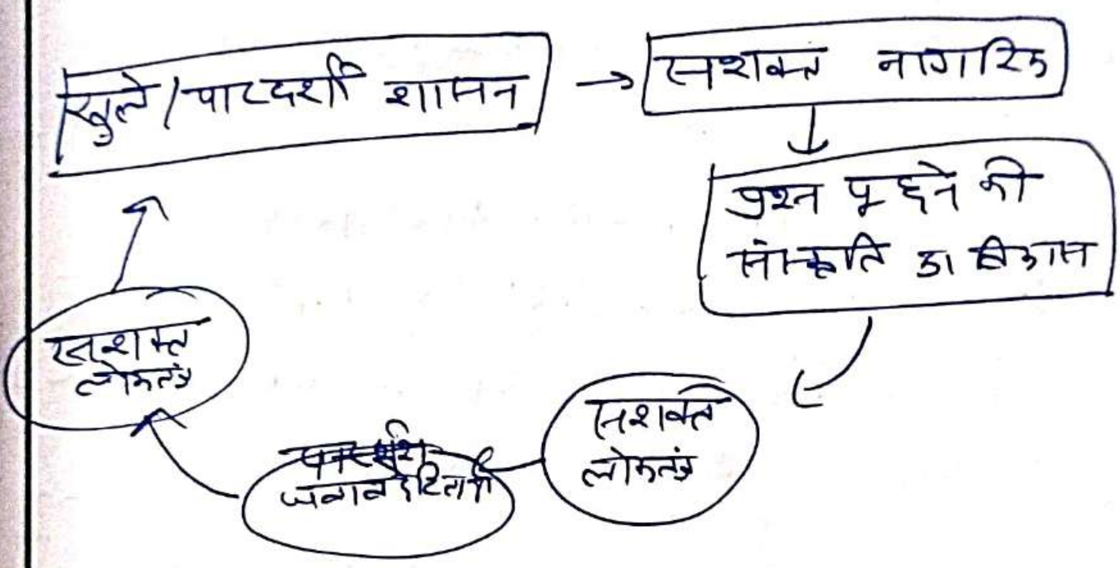

परंतु, कुछ जानकारी ऐसी होती है जिसे छिपाने में भलाई है जैसे—

i) देश की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली जानकारी को उपलब्ध नहीं करवाया जा सकता। जैसे - देश की सुरक्षा के लिए बनाए जा रहे उपकरणों में कौनसी प्रौद्योगिकी

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का उपयोग किया। ~~स्के~~

(ii) देश की Critical Infrastructure की जानकारी नहीं उपलब्ध करवा सकते।

(iii) हमारे नाभिकीय मिशनों में हो रहे कार्य के बारे में जानकारी नहीं दे सकते। जैसे - Barc में संचालित प्रयोगों ~~कैसे~~ को आम नागरिक तक नहीं पहुँचा सकते।

(iv) DRDO में बन रहे रक्षा उपकरणों की जानकारी नहीं दे सकते।

(v) कुछ वर्गों से संबंधित डाटा संवेदनशील होता है, अतः उसे प्रकट नहीं कर सकते। जैसे - ~~SECC-2011~~ जाति आधारित जनगणना का डाटा उपलब्ध नहीं करवाया जाता।

~~पुनः~~ अतः स्पष्ट है कि सुशासन के लिए केवल वही सूचनाएँ जो देश की सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न न करे अर्थात जो सरकार की जवाबदेही तय करें, वो उपलब्ध करवानी चाहिए तथा वो सूचनाएँ जो देश की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, वहीं उपलब्ध नहीं करवाना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) Although bribery is illegal and counterproductive, public officials still demand bribes, and executives in the private sector remain tempted to pay up. In this context, discuss ways in which corporations can build a framework to eliminate the practice of offering kickbacks.

(150 words) 10

हालांकि, रिश्वतखोरी गैर-कानूनी और हानिकर है, लेकिन सरकारी अधिकारी अभी भी रिश्वत की मांग करते हैं और निजी क्षेत्र के कार्यकारी अधिकारी इसका भुगतान करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इस संदर्भ में, उन तरीकों पर चर्चा कीजिए जिनसे निगम रिश्वत देने की प्रथा को समाप्त करने के लिए एक ढांचा तैयार कर सकते हैं।

रिश्वतखोरी ऐसी गतिविधि है जिसमें कोई व्यक्ति किसी का काम करवाने या जल्दी करवाने के एवज में धन लेता है।

चूंकि यह प्रथा हानिकर है तब भी अधिकारी इसकी मांग करते हैं। इसके कारण निम्न हैं -

i) ऐतिहासिक कारण ⇒ औपनिवेशिक स्थिति से ही अंग्रेजों ने इस प्रथा की शुरुआत की जो आज तक चली आ रही है।

ii) सामाजिक कारण ⇒ समाज में धन का महत्व अधिक है और इसकी सामाजिक स्वीकृति है।

(iii) राजनीतिक कारण ⇒ राजनेताओं द्वारा बड़ी मात्रा में ली जाती है तो प्रशासन उनका अनुकरण करता है।

iv) नैतिक मूल्यों का पतन

v) न्याय व्यवस्था में देरी व अपराधी को साक्ष्यों के अभाव में सज़ा नहीं मिल पाती।

इस प्रथा को समाप्त करने के लिए आवश्यक ढाँचा :⇒

i) नैतिक संहिता व नैतिक आचरण का निर्माण व उसका अनुपालन करवाना।

(ii) रिश्वत के प्रति Zero Tolerance की नीति।

(iii) Ethical Audit को बढ़ावा दिया जाए

iv) ऑफिस में तकनीक का प्रयोग किया जाए जैसे - CCTV आदि का प्रयोग।

v) डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा दिया जिससे काफी हद तक कम किया जा सकता है।

vi) लोगों की शिकायतों के प्रति कर्मचारियों को संवेदनशील बनाया जाए

रिश्वतखोरी को ज़ायज़ठहराने को आवश्यकता पड़ने पर सेवा की प्राप्ति नहीं होती जो लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के विरुद्ध है। अतः इसकी समाप्ति उपर्युक्त उपायों के माध्यम से होनी चाहिए

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) Identifying the issues associated with utilization of public funds, discuss the various ethical principles which can help devise strategies for better utilization of public funds in India. (150 words) 10
सार्वजनिक धन के उपयोग से जुड़े मुद्दों की पहचान करते हुए, उन विभिन्न नैतिक सिद्धांतों पर चर्चा कीजिए जो भारत में सार्वजनिक धन के बेहतर उपयोग के लिए रणनीति तैयार करने में सहायता कर सकते हैं।

सार्वजनिक धन का व्यक्तिगत हित के लिए दुरुपयोग करना भ्रष्टाचार कहलाता है। एक सर्वे के अनुसार, सरकार द्वारा खर्च किए गए 100 रु में से केवल 10 रु ही वास्तविक लाभार्थी तक पहुँचता है जो इसके दुरुपयोग को दर्शाता है।

सार्वजनिक धन के उपयोग से जुड़े मुद्दे :→

i) राजनीतिक कारण ⇒
a) फंड का कम उपयोग जैसे - निर्भया फंड
b) राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी

(ii) प्रशासनिक कारण :⇒
- लाल-फीताशाही
- जटिल प्रणाली
- भ्रष्टाचार
- नैतिक मूल्यों का अभाव
- पारदर्शिता व जवाबदेहिता का अभाव

(iii) सामाजिक कारण
- असम शिक्षा प्रणाली
- नैतिक मूल्यों का पतन

Don't write anything in the margin

- भ्रष्टाचार की सामाजिक स्वीकृति
- धन का महत्व अधिक

आवश्यक नैतिक सिद्धांत जो सार्वजनिक धन के उपयोग को बेहतर बनाएंगे =

i) राजनेताओं के लिए, सिविल सेवकों के लिए नैतिक संहिता व आचरण संहिता का निर्माण एवं उसका अनुपालन सुनिश्चित करना।

(ii) फंड को व्यपगत बनाना

(iii) पारदर्शिता → RTI के माध्यम से लागू करना

iv) तकनीक का प्रयोग जैसे - DTV, डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देना।

v) सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, राजनीतिक तटस्थता, वस्तुनिष्ठता आदि जैसे गुणों से राजनेता व सिविल सेवकों को युक्त होना चाहिए।

सार्वजनिक निधियों के दुरुपयोग को बचाने के लिए विकेंद्रीकरण, RTI, CVC, CBI, विधियों को लागू करके सुशासन को प्राप्त करके किया जा सकता है जो समावेशी विकास व लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

4. What do each of the following quotations mean to you?
निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "All persons ought to endeavour to follow what is right, and not what is established." — Aristotle (150 words) 10

"सभी व्यक्तियों को जो सही है उसका पालन करने का प्रयास करना चाहिए, न कि जो स्थापित है उसका पालन करना चाहिए।" - अरस्तू

उपर्युक्त कथन वस्तुतः हमें वस्तुनिष्ठता की तरफ इशारा करता है। इसके अनुसार, हमें स्थितियों, निर्णयों को तार्किक सोच-विचार, साक्ष्यों के आधार पर देखना चाहिए, न कि पूर्वाग्रहों, विचारधारा व दृष्टिकोण के आधार पर।

विश्व व भारत में अनेक विचारक ऐसे हुए जिन्होंने उपर्युक्त कथन को चरितार्थ किया—

i) सामाजिक-धार्मिक आंदोलन में महान विचारकों ने उनका पक्ष लिया जो सही था, न जो पहले से स्थापित था। उदाहरण के लिए,
- राजा राममोहन राय ने सती प्रथा को रोकने के लिए सही का साथ दिया
- ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने 'विधवा पुनर्विवाह' को संभव बनाया

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) पश्चिम में भी विभिन्न दार्शनिकों ने सही का साथ दिया जैसे— गैलिलियो ने सिद्ध किया कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाती है जो बाइबिल के नियमों के अनुसार गलत थी। फिर भी, उन्होंने सही का साथ दिया

(iii) अब्राहम लिंकन ने दास प्रथा को समाप्त कर सही का साथ दिया

(iv) मार्टिन लूथर, नेल्सन मण्डेला ने रंगभेद के खिलाफ मुहिम कर सही का साथ दिया।

(v) गाँधी जी ने उपनिवेशवाद का विरोध कर सही का साथ दिया।

(vi) वर्तमान में, SC द्वारा तीन तलाक को अपराध घोषित कर सही का साथ दिया जो नारी समानता के लिए आवश्यकता था।

(vii) अतः स्पष्ट होता है कि व्यक्ति को हमेशा सत्य का साथ देना चाहिए क्योंकि अच्छाई / सच्चाई की बुराई पर हमेशा जीत होती है,

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस स्थान में कुछ ना लिखें)

4. (b) "It is compassion, the most gracious of virtues, which moves the world."
— Tiruvalluvar, Kural (150 words) 10

"करुणा, जो सबसे उदार सद्गुण है, विश्व को संचालित करती है।" - तिरुवल्लुवर, कुरल

करुणा ऐसी स्थिति / मनःस्थिति को इंगित करती है जिसमें किसी पीड़ित को देखकर, उसके दुःख को समझना, महसूस करना तथा उसे दूर करने के लिए कार्य करना।

उपर्युक्त कथन के समान ही बुद्ध ने भी करुणा का महत्त्व प्रतिपादित किया —

i) करुणा से संचालित होकर ही मदर टेरेसा ने समाज सेवा को स्वीकार किया।

ii) दासों की करुण स्थिति को देखकर ही अब्राहम लिंकन ने उसे समाप्त करने की सोची।

iii) रंगभेद के शिकार व्यक्तियों से जैसा अमानवीय व्यवहार किया जाता था, उसे देखकर व सहकर ही ~~नेल्सन मंडेला~~ मार्टिन लूथर ने इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी।

iv) गांधी जी ने अपने देश आकर देशवासियों की दुर्दशा देखकर स्वयं वस्त्र त्याग कर देश को आजाद कराया। यह करुणा का ही उदाहरण है।

v) अम्बेडकर जी ने दलितों की स्थिति को देखकर व सहकर उनके अधिकारों की मांग की जो करुणा का ही परिणाम था।

vi) नारियों के लिए समानता की बात, दहेज निरोध अधिनियम, 1961, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, आदि उनकी करुण स्थिति को देखकर ही बने।

vii) दिव्यांगों की मदद करने के लिए उनके लिए कानून का निर्माण किया गया है।

viii) प्रशांत नायर ने 'Operation सुलेमानी' - कोई भूखा न सोए चलाया जो भूखमरी से शिकार कमजोर व्यक्तियों के प्रति करुणा का परिणाम था।

उपर्युक्त से स्पष्ट है कि करुणा सभी आधारभूत परिवर्तनों की जननी है जिससे विश्व संचालित होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (c) "I understand democracy as something that gives the weak the same chance as the strong." — Mahatma Gandhi (150 words) 10

"मैं लोकतंत्र को एक ऐसी व्यवस्था के रूप में समझता हूँ जो कमजोर को मजबूत के समान अवसर प्रदान करती है।" - महात्मा गांधी

महात्मा गांधी का यह कथन लोकतंत्र की महत्ता को स्पष्ट करता है।

लोकतंत्र 'लोगों का, लोगों के द्वारा, लोगों के लिए शासन होता है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का मूल्य / मत मायने रखता है।

कमजोर को मजबूत बनाने का अवसर →

i) लोकतंत्र का ही परिणाम है कि आज क्षेत्रीय दल राज्यस्तरीय सरकारों को चला रहे हैं। उदाहरण के लिए → बंगाल

ii) इसी के कारण दलितों, आदिवासी, महिलाओं, दिव्यांगों को लोकतंत्र में समुचित स्थान मिला है तथा समाज में भी उनके महत्व को स्थापित करने का प्रयास किया गया।

(iii) लोकतंत्र के कारण आज देश की राष्ट्रपति पहली आदिवासी महिला बनी।

iv) इसके पहले देश के पहले दलित राष्ट्रपति बने थे श्री रामनाथ कोविंद।

v) मीडिया कमजोर वर्गों की आवाज उठाती है तथा उनकी सूचनाओं को पहुँचाती है।

vi) PIL लोकतंत्र के कारण ही संभव हो पाया है जिसमें वंचित वर्गों के हितों की बात की जाती है।

vii) RTI द्वारा लोगों को सूचना तक पहुँच की व्यवस्था।
↳ लोगों को प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति उत्पन्न हो
↓
सशक्त नागरिक
↓
सशक्त लोकतंत्र → कमजोर → मजबूत बनाने की प्रक्रिया

निष्कर्षतः कह सकते हैं कि लोकतंत्र के माध्यम से अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण पर ध्यान दिया जाता है जो गांधी जी के सर्वोदय सिद्धांत के अनुरूप है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) "A well-developed Emotional intelligence is not only an instrumental tool in accomplishing goals, but has a dark side as a weapon for manipulating others by robbing them of their capacity to reason." Analyse. (150 words) 10

"एक सुविकसित भावनात्मक बुद्धिमत्ता न केवल लक्ष्यों को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण उपकरण है, अपितु इसका एक नकारात्मक पक्ष यह है कि यह दूसरों की तर्क करने की क्षमता को समाप्त करके उन्हें धोखा देने के लिए एक हथियार भी है।" विश्लेषण कीजिए।

डेनियल गोल्मैन के अनुसार, "भावनात्मक बुद्धिमत्ता ऐसी क्षमता है जो न केवल खुद की भावनाओं व मनःस्थिति को समझने में मदद करती है बल्कि दूसरों की भावना व मनः स्थिति को भी समझती है तथा उन्हें नियंत्रित व निर्देशित करने की भूमिका निभाती है।

लाभ

i) आत्म-जागरूकता - तकनीक के युग में अपने हितों के अनुरूप उपकरणों की आवश्यकता।

(ii) आत्म-नियंत्रण - अपनी भावनाओं को समझना तथा उन्हें कब और कहाँ अभिव्यक्त करना। इसकी जानकारी होना।

(iii) आत्म-अभिप्रेरण - कठिन परिस्थिति में स्वयं को मोटिवेट, डायरी, समूह बातचीत, और

Don't write anything in the margin

सकारात्मक मोड़ से करना।

iv) समानुभूति ⇒ दूसरों की मनः स्थिति को समझना व अमहसूस करना। जैसे - वंचितवर्गों की समस्याओं को समझना व महसूस करना

v) सामाजिक दक्षता ⇒ समाज में कठिन परिस्थिति में कैसे निर्णय करना जैसे - covid के समय डॉ., नर्स, पुलिसकर्मियों द्वारा किया गया था।

नकारात्मक पक्ष ⇒

i) उदाहरण के लिए जो नेतृत्वकर्ता रहता है, अधीनस्थ उसी के बात को मानते हैं, वे उसका विरोध नहीं कर सकते है।

ii) अगर सिविल सेवक पूर्वाग्रही है तो वह इस क्षमता का प्रयोग समाज में नकारात्मक परिवर्तन के लिए कर सकता है जैसे → कोई सिविल सेवक महिला अधिकारों का विरोधी है तो ऐसा कानून बनाए जो महिलाओं के अधिकारों को सीमित करे। परंतु, नकारात्मक पक्ष सिर्फ़ या नकारात्मक पक्ष है। प्लेटो ने कहा →
"All Learning has Emotional base"

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) What do you understand by conformity, compliance and obedience? Discuss their relevance in the context of civil services in India.

(150 words) 10

स्वीकार्यता, अनुपालन और आज्ञाकारिता से आप क्या समझते हैं? भारत में लोक सेवाओं के संदर्भ में इनकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।

स्वीकार्यता से तात्पर्य है कि किसी विचार, आदेश, कार्य, उपहार आदि को स्वीकार करना जबकि अनुपालन का अर्थ है उन विचार, आदर्शों, कार्य को अपने जीवन में उतारना।

जबकि आज्ञाकारिता का अर्थ है कि बिना तार्किकता के अपने प्रभावशाली लोगों, अपने वरिष्ठ अधिकारियों की बात व, आदेश का पालन करना।

लोक सेवा, नागरिकों को सुविधाएं या नागरिक सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए होती है, परन्तु लोक सेवा में पदानुक्रम पाया जाता है जिससे स्वीकार्यता, अनुपालन व आज्ञाकारिता के गुण देखने को मिलते हैं।

इनकी प्रासंगिकता →

- स्वीकार्यता व अनुपालन सकारात्मक शब्द है, अतः इनकी प्रासंगिकता वर्तमान

Don't write anything in the margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

में भी बनी हुई है जबकि आज्ञाकारिता नकारात्मक भाव देता है जिससे इसकी प्रासंगिकता संदिग्ध है।

उदाहरण के लिए, किसी विभाग ने एक अच्छी कार्य संस्कृति का आदेश निकाला तो एक अच्छा लोक सेवक उसका विश्लेषण करेगा देखेगा कि इसमें कुछ नकारात्मक या अतार्किक बातें तो नहीं हैं फिर उसको स्वीकार करके, अनुपालन को संभव बनाएगा।
जबकि आज्ञाकारिता में आँख मूँद कर इस आदेश का पालन करना।

• नागरिकों के संदर्भ में ~~निकला~~ निकाला गया आदेश पर लागू → स्वीकार्य, अनुपालन
- परंतु वह संवैधानिक, वैधानिक प्रारूप के अनुसार है, या नहीं।

⊙ आज्ञाकारिता लोकतंत्र शासन जैसे देशों में आज अप्रासंगिक हो चुका है।

⊙ लोक सेवाओं में स्वीकार्यता से नए विचार, कार्यों को अपनाने में मदद मिलती है और उनके अनुपालन में सेवा गुणवत्ता में भी मदद मिलती है।
अतः स्पष्ट है कि स्वीकार्यता, अनुपालन का गुण आज की लोकसेवाओं में अधिक प्रासंगिक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (a) Though the internal control systems in India are impressive on paper, they have not worked well in curbing the issue of corruption in the administration. Comment. Also, discuss the various reasons for the same. **(150 words) 10**

हालांकि, भारत में आंतरिक नियंत्रण प्रणालियाँ कागज पर प्रभावशाली हैं, फिर भी वे प्रशासन में भ्रष्टाचार की समस्या को रोकने में ठीक से काम नहीं कर सकी हैं। टिप्पणी कीजिए। साथ ही, इसके विभिन्न कारणों पर भी चर्चा कीजिए।

'भ्रष्टाचार', सार्वजनिक धनया पद का दुरुपयोग अपने लाभ के लिए करना के रूप में परिभाषित किया जाता है।

इसके लिए आंतरिक नियंत्रण प्रणालियां निम्न हैं –

i) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1989

(ii) RTI Act, 2005

(iii) ~~.~~ व्हिसल ब्लोअर संरक्षण अधिनियम, 2014

iv) लोकपाल व लोकायुक्त अधिनियम, 2013

v) सिटिजन चार्टर

vi) ~~e~~ e-gov., Newi

उपर्युक्त कार्यवाई भ्रष्टाचार को रोकने ~~के~~ लिए बनाई गई हैं, पर ये सिर्फ कागज़ों पर ही प्रभावशाली होती हैं –

i) एक सर्वे के अनुसार, सरकार द्वारा जनता के लिए खर्च किए 100 ₹ में से 10 ₹ ही वास्तविक लाभार्थियों तक पहुँचते हैं।

(ii) चारा घोटाला, स्पेक्ट्रम घोटाला

(iii) विभिन्न फण्ड जैसे निर्भया फण्ड, MPLADS आदि का उपयोग नहीं किया जा रहा है।

उपरोक्त से स्पष्ट होता है कि भ्रष्टाचार की समस्या अब भी बनी हुई है। इसके कारण निम्न हैं—

i) शासन का ढाँचा अत्यंत विषमतापूर्ण है।

ii) राजनेताओं व सिविल सेवकों में इच्छाशक्ति की कमी है।

iii) राजनेताओं व सिविल सेवकों में उचित नैतिक मूल्यों व सेवा मूल्यों की कमी है जैसे - सत्यनिष्ठा, सेवाभावना, कर्तव्यनिष्ठा, करुणा आदि।

iv) अच्छे काम के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं मिलना।

v) क्रोनी कैपेटेलिज़म व क्लेप्टोक्रेसी जैसी घटनाओं का पाया जाना

vi) कानूनों का उचित क्रियान्वयन व निगरानी का अभाव।

vii) सामाजिक मूल्यों का पतन → जैसे भ्रष्ट धन की स्वीकृति, शिक्षा व्यवस्था का अभाव।

viii) कानूनों में अनेक लूपहोलों की उपस्थिति।

ix) न्यायिक प्रक्रिया जटिल व लंबित विवाद।

"जब तक हम भारत को भ्रष्टाचार मुक्त नहीं बना सकते तब तक भारत के स्वतंत्र होने का सपना पूर्ण नहीं हो सकता" APJ कलाम

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) There is broad consensus that the state has failed to effectively deliver public services to its citizens, particularly the poor. In this context, discuss the need for providing incentives, building state capacity and ensuring transparency for better service delivery. (150 words) 10

इस विषय पर व्यापक सहमति है कि राज्य अपने नागरिकों, विशेष रूप से गरीबों को प्रभावी ढंग से सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने में विफल रहा है। इस संदर्भ में, बेहतर सेवा प्रदायगी के लिए प्रोत्साहन प्रदान करने, राज्य की क्षमता का निर्माण करने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

विभिन्न सूचकांकों से स्पष्ट होता है कि राज्य अपने नागरिकों को सार्वजनिक सेवाएँ प्रदान करने में विफल रहा है—

• वैश्विक भुखमरी सूचकांक में भारत की स्थिति— 101/106

PDS लीकेज → 46%.

• इसके कारण निम्न हैं :→

i) गोपनीयता की संस्कृति का होना।

ii) प्रशासनिक अक्षमता का होना जिससे आवधिक समीक्षा का अभाव।

(iii) अकेन्द्रीकृत शासन व्यवस्था जिसमें शक्ति एक ही संस्था के पास होती है।

iv) जनता की सहभागिता का अभाव तथा इन्हें प्रश्न पूछने के अधिकार के बारे में जागरूकता का अभाव (केवल 15% RTI एक्ट के बारे में)

v) उचित आंकड़ों का अभाव जिससे इन्क्लूजन एरर व एक्सक्लूजन एरर होती है।

Don't write anything in the margin (इस भाग में कुछ भी ना लिखें)

vii) ऑफिशियल सीक्रेसी Act का होना।

viii) सिविल सेवकों का जाति, धर्म के आधार पर बंटे रहना।

बेहतर सेवा प्रदायगी के उपाय :-

i) सिटिजन चार्टर प्रत्येक संस्थान द्वारा अपनाया जाना तथा उसका अनुपालन सुनिश्चित करना तथा आवधिक समीक्षा को संभव बनाना।

(ii) RTI Act के प्रति जागरूकता बढ़ाना - पारदर्शिता की संस्कृति

(iii) प्रशासन को सिटिजन सेंट्रिक बनाना

(iv) Social Audit, Ethical Audit समय-२ पर किया जाना चाहिए

v) e-governance, NeGP, GeM आदि के प्रयोग को बढ़ावा देना।

vi) अच्छे काम के लिए पुरस्कृत करना तथा गलत काम के लिए दण्ड देना

vii) नागरिकों को अपने अधिकारों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाना।

viii) भ्रष्टाचार अधिनियम, CVC, लोकपाल अधिनियम को लागू करना

'होता समिति' व 2nd ARC की सिफारिशों को शीघ्र ही अपनाना चाहिए जिससे सेवा प्रदायगी बेहतर होगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. You are the principal of a college which has a long history of student politics. However, due to your personal belief, you are not in favour of conducting student elections and thus have kept the process of yearly student elections pending without any official announcement. While you are mulling over the decision of not conducting elections, you get representation from some professors as well as students who criticize the activities of student unions as obstructive to the academic environment of the college. Some time later, student leaders also come to talk to you regarding conduct of elections, and you tell them about the representation received by you against allowing student elections. You further tell them that you are contemplating suspending all activities related to student politics in the campus. On hearing this, student leaders become aggressive and start sloganeering and destroying college property. In this context, answer the following questions:

(a) What are the issues involved in the case above?

(b) How can you separate your personal ethics from professional ethics?

(c) How would you deal with this situation? **(20)**

आप एक ऐसे कॉलेज के प्रिंसिपल हैं जिसका छात्र राजनीति का लंबा इतिहास रहा है। हालांकि, अपने व्यक्तिगत विश्वास के कारण, आप छात्र चुनाव कराने के पक्ष में नहीं हैं और इस प्रकार आपने वार्षिक छात्र चुनाव की प्रक्रिया को बिना किसी आधिकारिक घोषणा के लंबित रखा है। जब आप चुनाव न कराने के निर्णय पर विचार कर रहे होते हैं, तो आपसे कुछ प्रोफेसर के साथ-साथ छात्रों का एक प्रतिनिधि मंडल मिलता है, जो छात्र संघों की गतिविधियों की कॉलेज के शैक्षणिक वातावरण में बाधक के रूप में आलोचना करते हैं। कुछ समय बाद; छात्र नेता भी चुनाव के संचालन के संबंध में आपसे बात करने के लिए आते हैं और आप उन्हें छात्र चुनावों की अनुमति के विरुद्ध आपसे मिले प्रतिनिधि मंडल के बारे में बताते हैं। आप आगे उन्हें यह भी बताते हैं कि आप कैंपस में छात्र राजनीति से जुड़ी सभी गतिविधियों को बंद करने पर विचार कर रहे हैं। यह सुनते ही छात्र नेता आक्रामक हो जाते हैं तथा नारेबाजी और कॉलेज की संपत्ति को नष्ट करने लगते हैं। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में कौन-से मुद्दे शामिल हैं?

(b) आप अपनी व्यक्तिगत नैतिकता को पेशेवर नैतिकता से कैसे पृथक कर सकते हैं?

(c) आप इस स्थिति से कैसे निपटेंगे?

उपर्युक्त प्रकरण राजनीतिक नैतिकता तथा व्यक्तिगत नैतिकता के अंतर्द्वंद्व को दर्शाता है।

Don't write anything in margin

हितधारक
- → प्रिंसिपल
- → छात्र संघ व चुनावों के समर्थक छात्र
- → सरकारी सम्पत्ति
- → सरकार
- → कॉलेज प्रशासन
- → प्रोफेसर व छात्र जो छात्र संघ के विरुद्ध है

9) (मुद्दे) =>

i) <u>व्यक्तिगत नैतिकता v/s पेशेवर नैतिकता</u>
↓
इसमें प्रोफेसर के व्यक्तिगत विश्वास है कि कॉलेज में चुनाव नहीं होने चाहिए। परंतु पेशेवर नैतिकता कहती है कि जो भी आपका प्रोफेशनल है, उससे जुड़े नियमों को तटस्थता के साथ पालन करना चाहिए।

(ii) <u>छात्रों को राजनीतिक गुणों से वंचित करने का मुद्दा</u>
↓
चूंकि ~~छात्रों ने~~ कॉलेजों में होने वाले चुनाव छात्रों को व युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करते हैं तथा इनके माध्यम से वो राजनीति, हमारे लोकतांत्रिक शासन को जानते हैं तथा उनमें नेतृत्व, कौशल, सत्यनिष्ठा, कर्तव्यनिष्ठा जैसे गुणों का विकास होता है। साथ ही वो

छात्रों की समस्या समाधान करते हैं, उनका प्रतिनिधित्व करते हैं। यह Art-19(1) के तहत [illegible]

(iii) छात्र संघ की गतिविधियाँ V/s शैक्षणिक गतिविधियाँ :→

अधिकांश समय छात्र चुनाव गतिविधियों में अपना समय व्यतीत कर देते हैं जिसका प्रभाव उनके व अन्य छात्रों की शैक्षणिक योग्यता पर पड़ता है।

iv) सार्वजनिक सम्पत्ति (कॉलेज) को नुकसान पहुँचाना V/s छात्र/नागरिक कर्तव्य :→

अनु-51(A) में कहा गया है कि प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य है कि वह अपनी सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करेगा, अतः छात्रों ने इसका उल्लंघन किया।

(b) मैं अपनी व्यक्तिगत नैतिकता को पेशेवर नैतिकता से निम्न प्रकार पृथक रखने का प्रयास करूंगी —

i) सबसे पहले तो यह देखूंगी की पेशेवर नैतिकता चुनावों की अनुमति देती है या नहीं।

(ii) अपने व्यक्तिगत विश्वास, पूर्वाग्रहों, दृष्टिकोण से तटस्थ होकर कॉलेज में छात्र संघ के चुनाव कराने के लिए घोषणा करूंगी
↓
(iii) अर्थात् मैं अपने व्यक्तिगत दृष्टिकोण को अपने कार्यों में नहीं आने दूंगी।

(c) मैं इस स्थिति से निपटने के लिए निम्न कदम उठाऊंगी →

(i) सबसे पहले अपने व्यक्तिगत दृष्टिकोण से पृथक रहते हुए छात्र संघ के चुनावों को होने दूंगी क्योंकि ये छात्रों में विभिन्न गुणों का विकास करते है।

(ii) अपने स्टाफ सदस्यों से मिलकर यह सुनिश्चित करूंगी कि हिंसा व आक्रमकता को कैसे रोका जाएं।

(iii) अगर गंभीर प्रकृति की हिंसा हो रही है तो पुलिस को सूचित करूंगी।

(iv) विरोधी छात्रों व प्रोफेसर जो मेरे पास चुनाव को बंद करवाने आए, उनको चुनावों के महत्व के बारे में अवगत करूंगी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

vi) साथ ही, कॉलेज में चुनावों का समय इस प्रकार निर्धारित किया जाएगा ताकि शैक्षणिक गतिविधियाँ अव्यवस्थित न हो।

vii) आक्रामक छात्रों से बात करके उन्हें अपने विश्वास में लूंगी तथा शांतिपूर्ण चुनाव करवाने की घोषणा करूंगी तथा यह भी सुनिश्चित करूंगी की चुनाव में अनैतिक व अवैध गतिविधियाँ न हो।

मेरा विज़न व छात्रों में राजनीतिक गुणों का नेतृत्व & अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।

उपर्युक्त स्थिति को अपनाकर मैं अपने नेतृत्व कौशल, पेशेवर नैतिकता, तटस्थता, वस्तुनिष्ठता जैसे गुणों को परिचय दूंगी।

8. Capital punishment, or "death penalty," is an institutionalized practice designed to result in deliberately executing persons in response to actual or supposed misconduct and following an authorized, rule-governed process to conclude that the person is responsible for violating norms that warrant execution. Punitive executions have historically been imposed by diverse kinds of authorities, for an expansive range of conduct, political or religious beliefs and practices, for a status beyond one's control, or without employing any significant due process procedures. Punitive executions also have been and continue to be carried out more informally, such as by terrorist groups, urban gangs, and mobs. For centuries in Europe and America, discussions have focused on capital punishment as an institutionalized, rule-governed practice of modern states and legal systems governing serious criminal conduct and procedures. In light of the above debate of capital punishment, answer the following questions:

(a) What are the arguments in favour of and against having capital punishment in the criminal justice system?

(b) Do you think capital punishment has a place in modern civilised society? Examine in the context of moral implications involved in awarding it.

(20)

फांसी या 'मृत्युदंड', एक संस्थागत प्रक्रिया है, जिसे वास्तविक या कथित कदाचार की प्रतिक्रिया में जानबूझकर व्यक्तियों को प्राणदंड देने हेतु डिजाइन किया गया है और इसके लिए एक प्राधिकृत, नियम-आधारित प्रक्रिया का पालन किया जाता है ताकि इस नतीजे पर पहुँचा जा सके कि व्यक्ति उन मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए जिम्मेदार है जो प्राणदंड का प्रावधान करते हैं। मृत्युदंड, ऐतिहासिक रूप से विभिन्न प्रकार के अधिकारियों द्वारा आचरण, राजनीतिक या धार्मिक विश्वासों और प्रथाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए, किसी के नियंत्रण से परे स्थिति के लिए या किसी भी महत्वपूर्ण स्थापित प्रक्रियाओं का पालन किए बिना भी दिया जाता रहा है। मृत्युदंड का विभिन्न समूहों द्वारा अधिक अनौपचारिक रूप से पालन किया जाता है और वर्तमान में भी इसे जारी रखा गया है, जैसे कि आतंकवादी समूहों, शहरी गिरोहों और भीड़ द्वारा। यूरोप और अमेरिका में सदियों से जारी चर्चाओं ने आधुनिक राज्यों के संस्थागत व नियम-आधारित प्रक्रिया तथा गंभीर आपराधिक आचरण और कार्रवाईयों को नियंत्रित करने वाली कानूनी व्यवस्था के रूप में मृत्युदंड पर ध्यान केंद्रित किया है। मृत्युदंड के संदर्भ में, उपर्युक्त चर्चा के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) आपराधिक न्याय प्रणाली में मृत्युदंड के पक्ष और विपक्ष में तर्क क्या हैं?

(b) क्या आपको लगता है कि आधुनिक सभ्य समाज में मृत्युदंड का कोई स्थान है? इसे दिए जाने में शामिल नैतिक निहितार्थों के संदर्भ में परीक्षण कीजिए।

उपर्युक्त चर्चा में 'मृत्युदंड' के बारे में बताया गया है तथा उन स्थितियों का वर्णन किया गया है जिसमें मृत्युदण्ड दिया जाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

(a) मृत्युदण्ड का पक्ष व विपक्ष

पक्ष	विपक्ष
• कुछ गंभीर अपराधों के लिए इससे उचित सज़ा नहीं हो सकती जैसे - गैंग रेप (निर्भया केस); सामूहिक मानव हत्या; छोटी बच्चियों/बच्चों के साथ जघन्य अपराध आदि।	• जन्म लेने व मृत्यु लेने का अधिकार सिर्फ ईश्वर का है। अतः हमें उस सत्ता का अतिक्रमण नहीं करना चाहिए।
• अगर इन अपराधियों को कठोर सज़ा न दी गई तो ऐसे अनेक अपराधियों को भय नहीं रहेगा और उन्हें अपराध करने की प्रेरणा मिलेगी।	• सज़ा का उद्देश्य व्यक्ति को सुधारने के लिए होता है, न कि बदला लेने के लिए जैसे - "बुरे से बुरे व्यक्ति में भी अच्छाई होती है, बस उसे उपर्युक्त परिस्थितियाँ मिलनी चाहिए।" - गांधीजी
• इससे लोगों को न्याय व्यवस्था में विश्वास बढ़ता है कि अपराधियों को सज़ा मिलती है।	• जब मनुष्य रहेगा ही नहीं तो इसमें सुधार कैसे संभव होगा।
	• उस व्यक्ति पर निर्भर पूरा परिवार की आर्थिक, सामाजिक, मानसिक स्थिति खराब हो जाती है जिससे परिवार के सदस्यों का भी नुकसान होता है।
	• Art-21 का उल्लंघन

(b) मुझे नहीं लगता कि आधुनिक सभ्य समाज में मृत्युदण्ड होना चाहिए क्योंकि-

i) यह अनु०-21 जिसमें कहा गया है कि प्रत्येक व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार है, का उल्लंघन करता है।

(ii) विभिन्न देश जैसे- यूरोप व अमेरिका के इसको खत्म करने पर विचार कर रहे हैं

(iii) भीड़, आतंकवादी समूह द्वारा दिया गया मृत्युदण्ड तानाशाही / अराजकता को दर्शाता है। इसमें न्याय व्यवस्था के खिलाफ अविश्वास प्रकट होता है।

iv) जीवन लेने का अधिकार सिर्फ ईश्वर का है और उसकी सत्ता का अतिक्रमण होता है।

v) उसके साथ, उस व्यक्ति का पूरा परिवार के जीवन गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार बाधित होता है।

vi) हो सकता है कुछ साक्ष्य गलत ढंग से प्रस्तुत किए गए हों।

vii) मानवाधिकारों का हनन होता।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतः स्पष्ट है कि मृत्युदण्ड जैसा गंभीर सज़ा को समाप्त ~~की जाना~~ किया जाना चाहिए और उसके स्थान पर मानवाधिकारों को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को सज़ा दी जानी चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. An Indian company is active in the telecom sector and is the majority owner of a telecom company based in other geographies across the world. At one of its European headquarters, there emerged whistleblowing allegations that a local executive was bribing local government officials in order to obtain telecom cabling and construction contracts from the local government. The kickbacks were allegedly paid through a third-party consultant. More specifically, there were allegations that the executive, the third party, and a government official had some sort of business interest in common, possibly shareholdings in a limited company or the joint ownership of an undisclosed asset. The company is thought to be particularly close to the ruling dispensation in India and the news has now raised pressure to put its business operations in India under scanner as well. In this context, answer the following questions:

(a) What are the ethical challenges in the given case?

(b) Identify the different stakeholders and their interests.

(c) As the CEO of the firm, how would you respond to the given situation?

(20)

एक भारतीय कंपनी दूरसंचार क्षेत्र में सक्रिय है और विश्व भर के अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में स्थित एक दूरसंचार कंपनी के अधिकांश शेयरों की स्वामी है। इसके यूरोपीय मुख्यालयों में से एक में, यह आरोप लगाया गया है कि एक स्थानीय कार्यकारी अधिकारी स्थानीय सरकार से दूरसंचार केबल बिछाने और निर्माण अनुबंध प्राप्त करने के लिए स्थानीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दे रहा था। कथित तौर पर एक तीसरे पक्ष के सलाहकार के माध्यम से घूस दी गई थी। विशेष रूप से, ऐसे आरोप लगाए गए हैं कि कार्यकारी अधिकारी, तीसरे पक्ष और एक सरकारी अधिकारी के बीच किसी प्रकार का साझा व्यावसायिक हित, संभवतः एक सीमित कंपनी में शेयरधारिता या किसी अज्ञात संपत्ति का संयुक्त स्वामित्व विद्यमान है। उक्त कंपनी को विशेष रूप से भारत में सत्तारूढ़ व्यवस्था के निकट माना जाता है और इस आरोप ने अब इसके भारत में संचालित व्यापार को भी जांच के दायरे में लाने का दबाव बढ़ा दिया है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) दिये गये प्रकरण में शामिल नैतिक चुनौतियां क्या हैं?

(b) विभिन्न हितधारकों और उनके हितों की पहचान कीजिए।

(c) उक्त कंपनी के एक सी.ई.ओ. के रूप में, आप दी गई स्थिति में किस प्रकार प्रत्युत्तर देंगे?

उपर्युक्त प्रकरण में व्यावसायिक हित व व्यावसायिक नैतिकता के मध्य के मुद्दे को उठाया गया है।

a) नैतिक चुनौतियाँ निम्न हैं -

i) इसमें व्यावसायिक हित को वरीयता दी गई है और उसके लिए ईमानदारी, सत्यनिष्ठा जैसे मूल्यों के साथ समझौता किया गया

(ii) व्यावसायिक नैतिकता का ध्यान नहीं रखा गया अर्थात् व्यवसाय नैतिक है या नहीं?

(iii) कॉरपोरेट गवर्नेंस का अभाव है। इसमें उचित नियमों, प्रक्रियाओं, सिद्धांतों का समुच्चय होता है जिससे सभी को लाभ होता है।

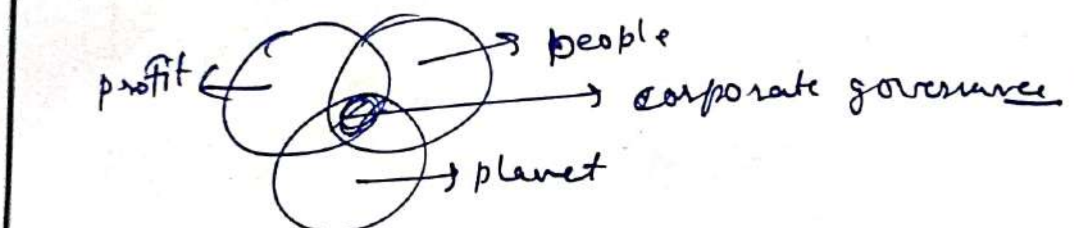

iv) सिटिजन चार्टर का अभाव जिसमें उचित व न्यायोचित प्रक्रिया की बात की जाती है।

v) इसमें उद्योगपति-राजनीति गठजोड़ (क्रोनी कैपेटलिज्म) को भी दर्शाया गया है जिसमें सरकार उद्योगों के अनुकूल नीतियों का निर्माण करती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) (b) विभिन्न हितधारक व उनके हित :-

हितधारक	हित
i) इलेक्ट्रिक कम्पनी	इलेक्ट्रिक कम्पनी का उद्देश्य सेवाएं प्रदान करके लाभ कमाना है।
(ii) शेयरधारक	• इनका हित कम्पनी के लाभांश से अपना हिस्सा प्राप्त करने का होता है।
(iii) कम्पनी का प्रबंधन बोर्ड	• ये कम्पनी के दैनिक कार्यों का लेखा-जोखा करते हैं तथा आवश्यक निर्णय लेते हैं।
iv) निदेशक मण्डल	• इनका कार्य आवश्यक मुद्दों पर उचित निर्णय करना तथा अपने शेयरधारकों के हितों की रक्षा करना
v) ~~लोकसेवक~~ सरकारी अधिकारी	• यह अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने मूल्यों के साथ समझौता करता है।
vi) राजनेता	• इनके हित कम्पनी से लाभ प्राप्त करने का तथा व्यक्तिगत मूल्यों से समझौता

viii) सम्पूर्ण जनता	• इससे पहुँचने वाली लोगों से समझौता होता है।

c) कम्पनी के सी.ई.ओ. के रूप में मेरी निम्न प्रतिक्रिया होगी :-

i) सबसे पहले तो मैं सरकार का साथ दूंगी ~~कि~~ कि वह ~~3~~ इस आरोप का अच्छे से जाँच कर सके।

(ii) अपने शेयरधारकों को एक सार्वजनिक घोषणा के माध्यम से आश्वासन दिलाऊँगी कि उनका पैसा सुरक्षित है।

(iii) मैं उस कार्यकारी अधिकारी के खिलाफ अपने स्तर पर जाँच करूँगी कि क्या मामले ~~ब~~ है।

iv) यूरोपीय मुख्यालय में स्थित कम्पनी के अधिकारियों से VC आदि के माध्यम से मामले की तह तक जाऊँगी।

v) अगर वह व्यक्ति दोषी पाया जाता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

है तो उसे पुलिस को सौंप कर उचित सजा दी जाएगी

(vii) ताकि भविष्य में ऐसा न हो।

(viii) कार्यालय में उचित विज्ञान डॉक्यूमेंट के ~~लिए~~ Do & Don't ~~निर्देशों~~ को प्रकाशित किया जाएगा तथा कर्मचारियों को विशेष कानूनों व अपराधों के लिए वर्कशॉप आयोजित करवाऊंगी।

(ix) मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि कम्पनी में कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अच्छे से पालन हो।

> मेरा विजन ∝ बिना नैतिकता के व्यवसाय पाप है

उपर्युक्त गांधी जी के कथन ~~को~~ सिद्ध करने ~~का~~ का प्रयास करूंगी। यह मुझमें नैतिकता, सत्यनिष्ठा, नेतृत्व व कर्तव्यनिष्ठा जैसे गुणों का समावेश होगा।

10. Sunil has been posted as a DM in a hilly district which is vulnerable to several natural disasters. The district is known for a pilgrimage site and is frequently visited by tourists from all over India. The major occupation of locals therefore lies in the hospitality business. Unfortunately, after a few days of his joining, the district faced a major earthquake. It has led to high casualties and damages to the essential infrastructure such as roads and bridges. Both locals and tourists are trapped at different routes and locations. An international convoy of dignitaries from a neighboring country which has come to pay their obeisance at the pilgrimage site, is also trapped due to the disaster. Because of this, Sunil has to divert most of the available resources in the rescue operation of the foreign dignitaries. People are emotionally distressed due to the disaster, and delayed response from authorities to their needs has led to a law-and-order situation in the district. People from other states whose families are trapped and need immediate assistance are also getting restless and flooding the emergency helplines with complaints and requests.

(a) Discuss the issues being faced by Sunil in the given scenario.

(b) Mention a course of action that Sunil must take to maintain law-and-order as well as to expediate rescue operations of all concerned. **(20)**

सुनील को अनेक प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सुभेद्य एक पहाड़ी जिले में डी.एम. के रूप में पदस्थापित किया गया है। यह जिला एक तीर्थ स्थल के लिए प्रसिद्ध है और अक्सर यहां पूरे भारत के पर्यटकों द्वारा यात्रा की जाती है। इसलिए, स्थानीय लोगों का प्रमुख कारोबार आतिथ्य व्यवसाय से संबंधित है। दुर्भाग्य से, उसके पदस्थापित होने के कुछ दिनों के बाद, जिले को एक बड़े भूकंप का सामना करना पड़ा। इससे अनेक लोगों की मृत्यु तथा सड़कों और पुलों जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे को भारी क्षति हुई है। स्थानीय लोग और पर्यटक दोनों अलग-अलग मार्गों और स्थानों पर फंसे हुए हैं। तीर्थस्थल पर आए पड़ोसी देश के गणमान्य व्यक्तियों का एक अंतर्राष्ट्रीय काफिला भी आपदा के कारण फंस गया है। इस वजह से सुनील को अधिकांश उपलब्ध संसाधनों को विदेशी गणमान्य व्यक्तियों के बचाव अभियान में लगाना है। आपदा के कारण लोग भावनात्मक रूप से व्यथित हैं और इनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अधिकारियों की विलंबित प्रतिक्रिया ने जिले में कानून-व्यवस्था के लिए प्रतिकूल स्थिति उत्पन्न कर दी है। अन्य राज्यों के लोग जिनके परिवार फंस गए हैं और उन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता है, वे भी व्याकुल हो रहे हैं तथा आपातकालीन हेल्पलाइन पर शिकायतों और अनुरोधों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हो गई है।

(a) दिए गए परिदृश्य में सुनील द्वारा सामना किए जा रहे मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ सभी संबंधित लोगों के बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए सुनील द्वारा की जाने वाली कार्रवाई का उल्लेख कीजिए।

उपर्युक्त प्रकरण में प्राकृतिक आपदा – भूकंप के कारण फंसे लोगों जिसमें स्थानीय व विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं, को दर्शाया गया है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ भी न लिखें)

a) सुनील द्वारा सामना किए जा रहे मुद्दे :-

i) सुनील के सामने देशवासियों को पहले बचाया जाए या विदेशियों को → यह प्रमुख नैतिक मुद्दा है।

(ii) सुनील के पास आवश्यक संसाधनों की कमी का मुद्दा भी है।

(iii) सड़क व पुल जैसे बुनियादी संरचना क्षतिग्रस्त हो गई है जिससे लोगों को आपदा स्थान से कैसे निकालें का मुद्दा है।

iv) लोग भावनात्मक रूप से अपने परिजन व निकट व्यक्तियों से बिछड़ गए हैं। अतः उन्हें सांत्वना देने का मुद्दा।

v) लोगों को आवश्यक सामग्री - रोटी, भोजन, पानी की व्यवस्था करने का मुद्दा

vi) क्षतिग्रस्त लोगों को अस्पताल पहुंचाने तथा उपचार करने का मुद्दा।

(vii) मृत व्यक्तियों को कैसे निकाले जाने का मुद्दा

(viii) लोगों को सुरक्षित कैंपों तक कैसे पहुँचाया जाए
ix) विदेशी देशों से अपने नागरिकों को बचाए जाने का दबाव।

x) कानून-व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाए जाने का मुद्दा।

(b) सुनील की कार्रवाई ⇒ अल्पकालिक

i) सुनील सबसे पहले तो बचाव दल (Resuce Team) को बुला कर लोगों को निकालने का प्रयास करेगा।

(ii) इसके लिए वह सुरक्षा बलों जैसे - BSF, ITBP के जवानों को भी बुला सकता है।

(iii) राज्य से अतिरिक्त संसाधनों को शीघ्र पहुँचाने का अनुरोध करेगा।

iv) हेलीकॉप्टर के माध्यम से जरूरी आवश्यक भोजन सामग्री को पहुँचाया जाएगा।

v) लोगों को अस्पताल हेलीकॉप्टर के

Don't write anything this margin
इस भाग में कुछ ना लिखें।

माध्यम से पहुँचाया जा सकता है।

vi) ज्यादा से ज्यादा कैंप लगाकर लोगों को बचाया जाए।

viii) ~~वि~~ विदेशी नागरिकों को आश्वासन देना।

ix) एक सार्वजनिक घोषणा द्वारा लोगों को विश्वास दिलाना कि परिस्थितियों को नियंत्रण किया जा चुका है; शीघ्र ही उन्हें निदान किया जाएगा

x) कानून व्यवस्था ~~को~~ के लिए पुलिस को अच्छे से काम करने का निर्देश देना तथा ~~आवश्यक~~ अतिरिक्त फोर्स को बुलाना ताकि सुचारु रूप से चल सके।

xi) कानून-व्यवस्था में लगे लोगों की आवश्यकता का भी ध्यान रखना।

दीर्घकालीन कार्रवाई →

i) आपातकालीन रोधी बुनियादी अवसंरचना के निर्माण के लिए सरकार को सलाह देना जैसे सड़क पुल

(ii) स्टॉक में आवश्यक खाद्यसामग्री को बनाए रखना।

(iii) लोगों को आपदा के प्रति जागरूक करना तथा मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा के दौरान कैसे बचाव करें- इसका अभ्यास करवाना।

iv) कैदियों के लिए अधिक सुरक्षित स्थानों का निर्माण करना।

v) कानून-व्यवस्था के लिए पुलिस को आवश्यक दिशा-निर्देश देना।

अतः स्पष्ट है कि आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के अनुसार सुनीति आवश्यक राहत व बचाव कार्य होगा।

11. You are posted as a Customs official in one of renowned port cities of India. Your team has recently intercepted a consignment having over 5000 kilograms of red sandalwood. Red Sandalwood, also known as Red Sanders, is a prohibited item for export and is covered under the Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora (CITES) list and hence you detained a few individuals for their alleged involvement in trying to smuggle it to another country.

However, you later come to know that these people are working for an influential businessman with close ties to the ruling party of the state. Your seniors in the department have verbally instructed you not to register any compliant as yet. You are fearful that a deal will be struck between the businessman and a few corrupt officers of your department and the detained persons will be freed. You are ready to go ahead and file the complaint but at the same time are also fearful of departmental action against you if you disobey your seniors.

(a) What are the various options available to you in the given case? Evaluate the merits and demerits of each of these.

(b) Also indicate (without necessarily restricting to the above options) your course of action and the reasons for the same. **(20)**

आप भारत के एक प्रसिद्ध बंदरगाह शहर में सीमा शुल्क अधिकारी के रूप में पदस्थापित हैं। आपकी टीम ने हाल ही में 5,000 किलोग्राम से अधिक लाल चंदन की एक खेप को पकड़ा है। लाल चंदन, जिसे रेड सैंडर्स के रूप में भी जाना जाता है, जो निर्यात के लिए एक निषिद्ध वस्तु है तथा इसे वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर अभिसमय (CITES) के तहत शामिल किया गया है। इसलिए आपने कुछ व्यक्तियों को इसे दूसरे देश में तस्करी करने में उनकी कथित संलिप्तता के कारण हिरासत में लिया है। हालांकि आपको बाद में पता चलता है कि ये लोग एक प्रभावशाली व्यवसायी के लिए कार्य कर रहे हैं, जिसके राज्य के सत्ताधारी दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। विभाग में आपके वरिष्ठों ने आपको मौखिक रूप से निर्देश दिया है कि आप अभी कोई शिकायत दर्ज न करें। आपको डर है कि उक्त व्यवसायी और आपके विभाग के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों के बीच सौदा हो जाएगा तथा हिरासत में लिए गए व्यक्ति मुक्त हो जाएंगे। आप आगे बढ़कर शिकायत दर्ज करने के लिए तैयार हैं, लेकिन साथ ही अपने वरिष्ठों की अवज्ञा करने पर आपके विरुद्ध की जाने वाली विभागीय कार्रवाई से भी डरे हुए हैं।

(a) प्रदत्त प्रकरण में आपके सामने कौन-से विभिन्न विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक के गुण-दोषों का मूल्यांकन कीजिए।

(b) साथ ही, अपनी कार्रवाई और उसके लिए कारणों को भी (उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना) इंगित कीजिए।

उपर्युक्त प्रकरण में राष्ट्रहित व व्यक्तिगत हित के बीच अंतर्द्वन्द्व को दिखाया गया है।

Don't write anything in margin
(इस भाग में कुछ मत लिखें)

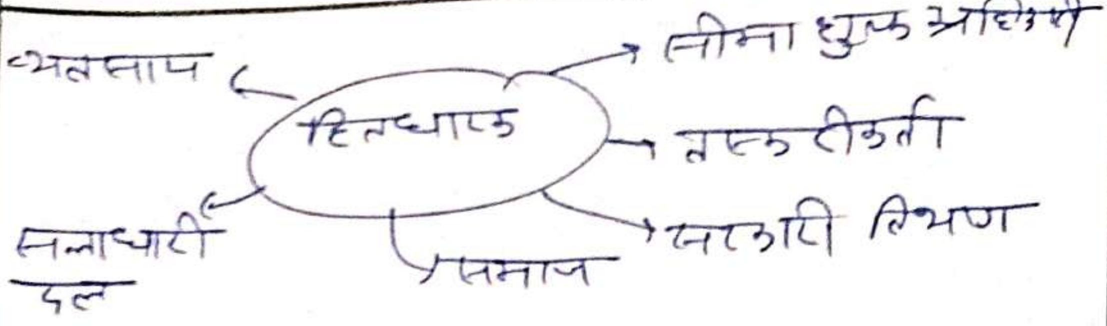

(4) मेरे पास निम्न विकल्प होंगे :-

i) मैं कोई शिकायत दर्ज न करूँ

गुण	दोष
• इससे मुझे अपने वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।	• मुझे अपने नैतिक मूल्यों सत्यनिष्ठा, ~~व्यक्तिगत~~ कर्तव्यनिष्ठा, तटस्थता, ईमानदारी से समझौता करना होगा
• मैं पदोन्नत हो जाऊँगी जिससे वेतन वृद्धि।	• अंतरात्मा का संकट
• साथ ही व्यवसाय द्वारा लाभांश का हिस्सेदारी	• अगर बाद में यह प्रकरण उजागर होता है तो मेरा नाम आएगा तो ~~मुझे~~ मेरी नौकरी जाने का डर रहेगा
	• तस्करी जारी रहेगी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

~~(ii) मैं अपने वरिष्ठ अधिकारियों को समझाऊँ कि शिकायत दर्ज करना~~

(ii) मैं शिकायत दर्ज कर दूँ बिना वरिष्ठ अधिकारियों को बताएँ

गुण	दोष
i) तस्करियों को सजा मिलेगी।	• हो सकता है कि साक्ष्यों के अभाव में किसी को सजा प्राप्त न हो
(ii) तस्करी-राजनीति गठजोड़ का पर्दाफाश	• मुझे अपनी नौकरी छोड़नी होगी अगर अपराधियों को सज़ा न हुई तो
(iii) नैतिक मूल्यों के अनुसार कार्य करना जिससे आत्मसंतोष की प्राप्ति होगी	• क्योंकि ये संगठन/गठजोड़ बहुत जटिल होता है जिससे मेरे जीवन को हमेशा खतरा रहेगा।
iv) भ्रष्टाचारी अधिकारियों को सज़ा प्राप्त होगी।	
v) CITES का पालन सुनिश्चित होगा।	
vi) अंतरात्मा के अनुरूप निर्णय	

(iii) मैं वरिष्ठ अधिकारियों से लिखित में प्राप्त करूं कि शिकायत न करने के लिए कहें तथा मैं मीडिया / NGO की मदद से इस मुद्दे को उठा सकती हूं।

गुण	दोष
i) अपराधियों को सज़ा मिलेगी	
ii) राजनीति तस्करी गठजोड़ का पर्दाफाश	
iii) मेरी अंतरात्मा को संतोष	
iv) लिखित में प्राप्त करने से अधिकारी का आज्ञा का उल्लंघन का खतरा नहीं।	

(b) मैं इस मुद्दे से निपटने के निम्न कार्यवाई करूंगी →

i) सबसे पहले तो अपने वरिष्ठ अधिकारियों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

से लिखित में शपथ लूंगी कि खिलाफत न करने की अगर बात में जांच हो तो मेरे ऊपर न आए।

(-) फिर में NGO, मीडिया की मदद से इस मुद्दे को गुप्त रूप से उठाने का प्रयास करूंगी जिससे अपराधियों को पकड़ा जाए और उन्हें सज़ा मिले

↓

जिससे CITES का अनुपालन संभव होगा।

↓

संवैधानिक मूल्यों को प्राप्त करने में आसानी रहेगी

↓

| मेरा चिन्तन व संवैधानिक मूल्यों व पद के प्रति कर्तव्यनिष्ठा |

मैं अपने पद के प्रति न्याय करके संवैधानिक मूल्यों को प्राप्त करने का प्रयास करूंगी।

12. You are the Superintendent of Police (SP) in a district. One of your subordinates informs you that a girl has reached out to him and complained about a potential death threat to her and her boyfriend who belongs to another caste. Both the families are averse to their union. She has also informed that the local police station is neither filing any complaint nor giving her any assurance of protection. The girl belongs to the dominant caste of the region and her father is a prominent local leader of the party which is in power in the state. On further enquiry, you come to know that both the girl and her boyfriend are adults. They have moved out of the house and have started living together. This has further angered both the families and they are accusing each other of abduction. In the given scenario, answer the following questions:

(a) Bring out the ethical dilemma faced by the you.

(b) What would be a suitable course of action to resolve the issue?

(c) At times, such instances lead to violence and may end up in honour killings. Discuss the reasons behind their social acceptance in parts of India despite the legal sanction against them. (20)

आप एक ज़िले में पुलिस अधीक्षक (SP) के पद पर तैनात हैं। आपके अधीनस्थों में से एक ने आपको सूचित किया है कि एक लड़की ने उसके पास संपर्क करते हुए उसे और उसके प्रेमी, जो दूसरी जाति से संबंधित है, को जान से मारने की धमकी के बारे में शिकायत की है। दोनों परिवार उनके साथ रहने के खिलाफ हैं। उसने यह भी बताया है कि स्थानीय थाना न तो कोई शिकायत दर्ज कर रहा है और न ही उसे सुरक्षा का कोई आश्वासन दे रहा है। वह लड़की उस क्षेत्र की प्रभावशाली जाति से संबंधित है और उसके पिता सत्तारूढ़ दल के एक प्रमुख स्थानीय नेता हैं। आगे की पूछताछ में, आपको पता चला है कि लड़की और उसका प्रेमी दोनों वयस्क हैं। वे घर से बाहर चले गए हैं और साथ रहने लगे हैं। इससे दोनों परिवारों में और अधिक नाराजगी उत्पन्न हो गई है और वे एक-दूसरे पर अपहरण का आरोप लगा रहे हैं। दिये गये परिदृश्य में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) आपके द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा को स्पष्ट कीजिए।

(b) इस समस्या के समाधान हेतु कार्रवाई का एक उपयुक्त तरीका क्या होगा?

(c) कभी-कभी, ऐसे उदाहरण हिंसा का कारण बनते हैं और ऑनर किलिंग में परिणित हो सकते हैं। इसके खिलाफ कानूनी प्रतिबंध होने के बावजूद, भारत के कुछ हिस्सों में इसकी सामाजिक स्वीकृति के पीछे उत्तरदायी कारणों पर चर्चा कीजिए।

उपर्युक्त केस स्टडी में 'ऑनर किलिंग' की घटना को दर्शाया गया है।

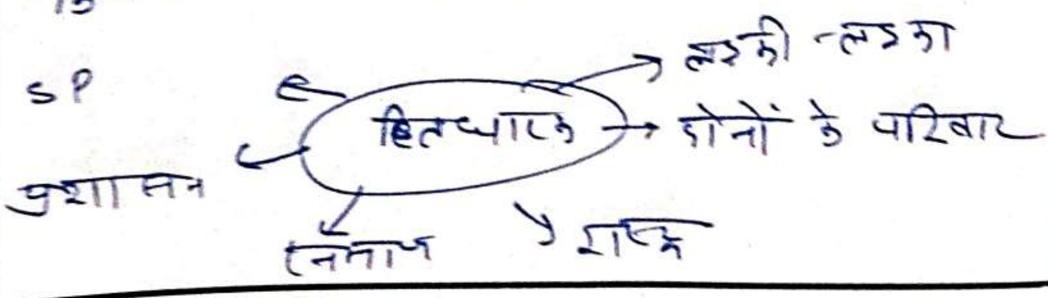

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) नैतिक दुविधा →

i) अधिकारी का आदेश तथा जोड़े को बचाने की नैतिक दुविधा (क्योंकि लड़की का पिता एक नेता है)

(ii) संवैधानिक मूल्यों को बचाने की नैतिक दुविधा → Art - 14/15/16

(iii) कानून के पालन की दुविधा →
~~विशे~~ SMA -

iv) दोनों के जीवन की रक्षा करने की दुविधा

v) दोनों परिवारों में हिंसा आदि न हो → इसको सुनिश्चित करने की दुविधा।

vi) समाज में इसका नकारात्मक प्रभाव न हो अर्थात अगर दोनों को न बचा पाए तो रूढ़िवादिता का प्रसार होगा।

vii) लोकतांत्रिक राष्ट्र में अपने जीवनसाथी के चुनाव का मुद्दा

viii) 75 साल आज़ादी के होने के बाद भी ये समस्या।

(b) मैं इसमें निम्न कार्यवाई करूंगी →

(अल्पकालिक)

i) सबसे पहले तो उन दोनों की आयु को प्रमाणित करूंगी कि वो बालिग है तो उन्हे पुलिस कस्टडी की सुविधा दूंगी → यह SMA में वर्णित है।

(ii) फिर दोनों के परिवारों के पास जाकर उन्हें समझाने का प्रयास करूंगी। इसमें मैं प्रभुत्व व्यक्तित्व जैसे धार्मिक नेता, NGO आदि की मदद ले सकती हूं

(iii) दोनों परिवारों के इनके नकारात्मक प्रभावों के बारे में बताऊंगी कि अगर वो मार गए तो उनके खिलाफ कार्रवाई होगी।

(iv) दोनों की शादी करवाकर उचित स्थान पर उन्हें सुरक्षा प्रदान करूंगी।

(दीर्घकालिक)

i) DM के साथ मिलकर जिले में अंतर्जातीय विवाह के बारे में जागरूकता अभियान तथा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसके नकारात्मक प्रभावों के बारे में बताना

(ii) इसमें धार्मिक नेता, NGO की मदद

(iii) स्कूल, कॉलेज के शिक्षा पाठ्यक्रम में जोड़ा जा सकता है।

(iv) नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से

(v) कानून का अच्छे से पालन करके

मेरा विजन व गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार
↓
जिसमें अपने पसंद के व्यक्ति के साथ जीवन जीना निहित है।

(c) ऑनर किलिंग के सामाजिक स्वीकृति के कारण

(i) समाज में अब भी जाति व्यवस्था मौजूद है + मात्र 5% विवाह ही अन्तर्जातीय होते हैं, ~~जो भी आदि~~

(ii) लड़की को अपने सम्मान से जोड़कर देखना जिससे भागने पर समाज में

(iii) उनका सम्मान ~~कम~~ हो जाता है।

1830 VISION IAS™

(iii) शिक्षा व जागरूकता की कमी जिसके कारण स्वीकृति से बढ़ावा मिलता

(iv) खाप पंचायत की उपस्थिति

(v) कानूनों का भय नहीं।

(vi) न्याय व्यवस्था जटिल व विलम्बकारी।